

ॐ नमः श्रीमहादेवे नमः ॥ गंगा महावलि विय विष्णु नति रश्मि ॥ वीर्यास्य
 वायं स्वस्य नारायण दाव मधुय ययु नय मधुलं कृत्वा ॥ गंगा अर्घ्यया यसाधनं कृ
 त्वा ॥ रुद्रावलि विय ॥ चाकिलि ॥ यं च सूर्य काङ्क्षय प्रय ॥ वाह्या दाव वलि विय
 ऊनया वक्ष्य ॥ वाह्या दाथा यम चाकिलि ॥ उका ह्यका रुद्रा स्वा अर्घ्यग ग
 सद्दिन ॥ ॥ रुद्र मिश्राधन ॥ कांक्षीं कंक्षीं कंक्षीं कंक्षीं कंक्षीं कंक्षीं गच्छास ॥ जला र्घ्य
 घाण्ड्युजा ॥ अर्घ्ययुजा न ॥ वन्दनयय ॥ ॥ कांक्षीं कंक्षीं गीश्वर मरुदे ववा
 यथायु कर्तुं न्यामि ॥ गन मरुदे न आत्मानं रुद्र वीर्यं रुद्रं दध्मत्वा ॥ रुद्र मित्रयु
 रीह्य वदत्वा ॥ कांक्षीं कंक्षीं गीश्वर मरुदे ववा यथायु ॥ निद्रि दक्ष ॥ अर्घ्य
 नया दक्ष ॥ अर्घ्यग गाउन ॥ कवचना वरुण ॥ कृष्ण न रुद्र मिश्राधनं कृत्वा ॥

नमो लवरी वीर्य गुप्त

302

Matha
Bali andhi

1980

I

ॐ ह्रीं यद्वा यथ तत्तथा विगच्छ २ कोटा गच्छ २ शौं ह्रीं ह्रीं २ अद्या वासु मनुष्या वादि द्रव्य
 ६॥ यव गिल ॥ अद्रुग ॥ चका ॥ द्रुका कुश ॥ ध्रुम नुन कय यं ह्यत्र ॥ वया खलु ससु नय ह्य
 त्रया दारु त्रय ॥ दुरु नय य ॥ ॥ विधि र्थं यट वासन वाय ॥ मूल वलिया मट कान स
 यूज न याय ॥ ^{उवन मका रादि} ॥ यश्चि म ॥ ^{या म क न र्थं वा य य ज ह त धु वा ल म य ज} ॥ जग कि वि द वी न म ॥ वाय ॥ वां वा कि नी द वी न म ॥ ॥ ॥
 लो ॥ यूर्ध्व ॥ कां ॥ अग्नि ॥ सां ॥ ने मय ॥ हां ॥ ॥ शिका हा म ॥ ने मय ॥ जै ह्रीं त्रये न म ॥ वाय य जै
 श्रीये न म ॥ यूर्ध्व ॥ शौं ह्रीं मना रु वाय न म ॥ म ^{गिर्यो म नु म ल} ॥ म हा वलि म्भू स न न म ॥ म हा वलि
 स्त्रय न ॥ शिका हा म ॥ ध्रुयं य व त र ॥ दा व र ॥ ॥ म हा वलि स्त्रय या मिया दू कां दू क या मि
 लं य रं ॥ हा हा य रं दा व र ॥ जान दा ल स व द्धि दान र्क र या वा ॥ म्वा क वि द र्क दा व र ॥
 ॥ वरु म्भू नि द र्क र ॥ म्वा क दा र्क र ॥ वा स दा र्क र ॥ ख ज दा र्क र ॥ लं मं स र्व ॥ ॥ ॥ ध्रुम

दालसगरुयादगयाव॥विष्णुमध्वगदकुक्कात्रतदनवा॥अरुवन॥
 धराव॥जानझायद्याप्रउर्धदाव॥ध्यादेवनन॥एकुक्य॥यूवदिगसः
 दालन॥यूवालंरु॥अग्निसन॥२॥मृगक्या॥दक्षिणस॥३॥मासंलंरु॥
 नेमयस॥४॥कठशुठिलठिका॥थागा॥५॥चक्रावलं॥वायव्य॥६॥कत्वगडि
 शुठि॥यंटा॥७॥म्बाट्म्वयु॥वकुलि॥८॥आकन्या॥मध्यस॥९॥खानगु
 गार॥धूपगुगार॥डाप्रधिगुगार॥द्रादुगुगार॥प्रायगुगार॥मंदगुगार॥
 बीहिगुगार॥लागुगार॥वत्तगुगार॥जागुगार॥धराददालमध्यन॥
 हाकूकायाउनयूयाव॥ध्यादेवन॥कर्वेदङ्गागाउन॥१॥दगरुंडाकम॥या
 नोकरुयून॥जानदयकारुयूदवनन॥कोखागन॥हाकयगायन॥गवह

हिजाकृत्सुसग। ३॥ ध्रुव। अलंकारवग। सिधु। उज्जमका। कर्तुयगाका। य
वयगाका। अद्वान। खान। ससा। सर्वलंकारवसयम। ७॥ दात्रयादा
वयुर्वआदिनयप्रियागि। यवसयंरु॥ यीरिदिग्वरुसंगस्यंरु॥ ॥ यूर्ध्वसा॥
गात्रायनयग। ययखान। यत्रवाजा। ससला। दाकला। यत्रिवायालवा
याग। यत्रिमरु। शीखलुधूय। मत्रयडाधधी। र्यंरु॥ मंगलया। श्रीगयगा
का। लंददिष। ध्रुगवंधर्थरिस। ७॥ शीखलुयग। कर्मदखान। र्यंरुका।
मंगलला। सडलाद्यगयाग। यायउमरु। कसुत्रिधूय। धुकम्यालडाध
धी। यवावीहि। यंयूदस। खगयगाका। मरिददिष। ध्रुगअग्निर्यंरिस।
७॥ त्रकवचनयग। यादुत्रिखान। यावकका। कंयला। रिषावला।

मद्ययाग॥ चन्द्रमिर्मट॥ कयत्रधूय॥ मृगवीहि॥ कलस॥ धुण्डिमधि॥ नक
यगाका॥ याउदद्विष॥ धनदद्विषयिषि॥ ॥ वयुस्मयग॥ मलिनस्वान
दीयठिडा॥ कसला॥ यथयला॥ मयत्रयाग॥ चउमिर्मट॥ सयलासधूय॥ स्थ
वडाधधी॥ म्वागवीहि॥ कलस॥ यीगयगाका॥ नाउगदद्विष॥ धननेयस्य
यिषि॥ ॥ इलककमयग॥ कयलिकस्वान॥ मृगजा॥ दा॥ स्यलना॥ स्वीर
याग॥ रवयायमिर्मट॥ शीलधूय॥ कूटडाधधी॥ मासवीहि॥ ककनस॥ नकय
गाका॥ रुटिकदद्विष॥ धनवयुगयिषि॥ ॥ गमवायनयग॥ वृयस्वा
न॥ जवाजा॥ वृसाया॥ क्रियया॥ कसियाग॥ लाउमार्ट॥ वालधूय॥ ॐ ह्रमि
डाधधी॥ कणगुलिवीहि॥ धंउस॥ विविगयटाका॥ सखदद्विष॥ धनवा

यद्यर्थीसि ॥ ॥ वक्रवन्दनयग ॥ वधूनिस्त्राडा ॥ रिवाडा ॥ मानुषला ॥ मूयू
कासला ॥ रिवाग ॥ वठामरु ॥ नत्रमासधूय ॥ याटकडा मधी ॥ कलागधीहि ॥
नात्रायनस ॥ वक्रयठाका ॥ गिडलदक्षिण ॥ धनकवत्रर्थीसि ॥ ॥ वयु
सयग ॥ जिनिस्त्राहोन ॥ धसला ॥ अगला ॥ दूदूयाग ॥ क्षीत्रजा ॥ खधुवनिमरु
॥ धूयवासधूय ॥ कर्कटासिंटा मधि ॥ जकावीहि ॥ जयायगाका ॥ वाकास ॥
डाहादक्षिण ॥ धनक्षिणनर्थीसि ॥ ॥ श्रीखधुवग ॥ रुयस्त्रान ॥ क्षीत्रजा ॥
कयला ॥ धर्मयाग ॥ वगामरु ॥ गुगुलिधूय ॥ मयादिधूय ॥ नूयकणत्रडा म
धि ॥ दा ॥ लदूया ॥ मउत्रसयाग ॥ गील ॥ स्त्राट ॥ रुकयगाका ॥ अंवस ॥ अंव
स ॥ नवत्रल ॥ दात्रमध्वग ॥ ॥ धननिदक्यूर्वादिछीणनार्कमूलदात्र

सगस्यंरु॥डाध॥गमत्रावन॥रुत्रिधत्र॥मनशीत्र॥खत्ररुत्ररु॥रुत्रु॥सिंवीरु
धुंठि॥कूट॥रुलु॥यूव्वादिमध्वर्न॥॥याग॥ही॥ध्वं॥दूदू॥कस्मी॥दूगी॥वीटी॥
स्यीधगी॥स्वीर॥आमत्रसगी॥यूव्वादिनरु॥॥मंदरु॥यायजु॥उन्दूत्रि॥त्रगाव॥उ
उमंद॥खत्राया॥लदूवा॥लाट॥सामाट॥यूत्रि॥यूव्वादि॥गुणनादिमध्वर्न॥॥
मृरुिका॥यव्वगायवा॥गम॥नदी॥वासीक॥गमृग॥गंग॥सलंटाय॥वज्ररुग
रुमरुया॥यूव्वादिमध्वर्न॥॥अरुलारु॥लं॥डाहा॥सिजल॥कल॥वीसयंटा॥
लिठि॥वीस॥सामसिठि॥या॥यूव्वादिमध्वर्न॥॥दधनेल॥रुमलत्रकन॥रु
यमल॥गामल॥लस्य॥गिसि॥नका॥यूका॥उठि॥ययासागय॥संयुत्रि॥यकन
यूव्वादिमध्वर्न॥यकनइकालेनकंमगा॥यकयार्गंमाल॥॥दधवर्लंद॥

लंरु॥ कय॥ वृत्तं॥ लल्लिका॥ गुंलंरु॥ गुं कय॥ गुं वृत्तं॥ कय॥ डिगुदि॥ मलीरु॥ यूर्वा
 दिमध्वर्क॥ ॥ नत्रमीश॥ यत्तसात्रा॥ किसिला॥ सगुंला॥ मसला॥ रुसिला॥ भास
 खला॥ वीला॥ कखला॥ मानूयला॥ यूर्वादिमध्वर्क॥ ॥ अमधी॥ धीखधु॥ कमुत्रि॥
 कयूत्र॥ वकयन्ध॥ मत्रत्र॥ र्थिथत्रि॥ धुकम्याल॥ यत्तकशत्र॥ वात्त॥ र्थिध्वं॥ सा
 वाकल॥ यूर्वादिमध्वर्क॥ ॥ धूय॥ कमुत्रि॥ कयूत्र॥ गुगुत्रि॥ अगुदि॥ वात्त॥ सव
 लास॥ वृयकशत्र॥ यत्रकत्र॥ धीखधु॥ यूर्वादिमध्वर्क॥ ॥ धूयकूथंनयार्गलन
 र्कगमाल॥ ॥ ससा॥ अम्वत्र॥ ककत्रस॥ आमत्रस॥ र्थिद्रुलि॥ नलिक्काल॥ कोलस
 ॥ रुनस॥ म्वाच॥ ऊवस॥ यूर्वादिमध्वर्क॥ ॥ नवत्रत्त॥ लं॥ डाहा॥ मूनि॥ र्थि
 ॥ वाडग॥ थाण॥ वदाल॥ मनिक्क॥ रुटिक्क॥ यूर्वादिमध्वर्क॥ ॥ जाल॥ यूवाकडा॥

यावक॥ शिवगि॥ यंदूजा॥ हिजा॥ कूजा॥ गजा॥ क्षीत्रजा॥ धनिजा॥ धनयुक्त्वादि
नमश्चानंददात्रसग॥ ॥ खान॥ कूमूग॥ यंय॥ यटका॥ नूयखान॥ डिखल॥ कनवी
या॥ डिनिखा॥ काया॥ धवन॥ धनयुक्त्वादिदात्रसग॥ ॥ मधसग॥ कूकन॥ मू
जा॥ कलामा॥ यंयवत्त॥ महावलि याविधि॥ यं सर्वलंकारं वसयाव॥ ॥ यी॥ डिग्व
७१०॥ धनं यिरुवरायाट॥ धनयिं रुवरा॥ धनयिं दू३२६॥ धनयिं
खात्रयाट॥ ७०॥ धनदावाकत्रमूलदात्रसवलि॥ यकं वसयधूदाव॥ दिगव
लि॥ विवयनी॥ यं वसय॥ धव२॥ दिगस॥ विधि॥ यं वसय॥ धव२॥ यि॥ वि॥ अदिनः
स्वख७॥ माल१०॥ रुवरा॥ खालनदानकं॥ यत्रदशयार्गमालकदानकं वसय॥
आत्रयि॥ ॥ मूल॥ अर्धया॥ यकं॥ शखत्रामाल॥ जलया॥ सि॥ जल॥ माला॥ यंयव

२॥ ज सं सो म्य रु न वा ३ ॥ ज ण न रु गा य ३ ॥

श्रीमाययादुर्कां । वलि । यं वधवा सवनी वगावला दास्वान अक्षरार्थ हाय ॥ १० ॥ अथूर्वा
दिगिविदिगिवाशी स्था नून्द हिगा क रुक सामभान रुगा उया दिवी सहिगा यसाझा यः
सगधस्य विवात्राय नूदं मया ययधूयदी ययूजामया यथायनी गा अलिवलि यिगि
गं डादन यूजा अमूक कामया वलि गृह २ रु वृ २ मू २ ल २ ख २ खादि २ भानि कू २
इं रु रु स्वाहा क मस्व व प्र दाम म । धूय दीया । जाय । लं । स्वाहा १० । अ १० । ॥ स्तोत्र ॥ १०
नमा शुभ सुप्रभा य वक्र रु रु म रु वल । पूर्व विदिगमा ३ । स्तुत स विद्यय नमा शुभा ॥
॥ ॥ कथनां कथनार्थ यन गि क ग दि ग र रु व वा वि श्व क । कथी गा क उ क व कु रि न
यन ध्र प्र मू लु माला हि रु धी । ख म रु रु धू ली उ म व क स हि ग वि न्द्र का या ल रु रु ली
लीली का व वी र्ज स क ल रु य रु र्ज क याली नमा मि । ॥ यथा ग य म रु क रु व काली रु

सवाहिनीरुमवर्धुनिरुद्वीवधुर्दुजाधवायनी॥यसुकाद्वधवाधवीकमधुलकया
लध्वा॥कद्वद्वद्वमासीनद्वद्वयालधिगाङ्गक॥अवर्गयाधिनिरुद्वीरुमालकाप्रद्वध
गा॥सर्वधानिककवीधवीवध्वानिह्वनभाधुग॥॥नभाधुगधूर्ध्वरुगसर्वधवाधिः
धवरासयाङ्कनकाम्याया॥द्वहिमद्वययामम॥अवर्गधदि॥धगधूर्ध्वदिगव
लियूजा॥॥गगाअग्नयदिगवल्लि॥आस॥आवारुन॥अआग्नयात्रिदिगसि
ह्याङ्कुरुमधुलआगङ्क२स्वाहा॥ङ्कगस्त्रायनम॥अना॥ङ्कगधृष्टासनासीनं
किरुसमरुवर्त॥वकावर्धुमरुगङ्क॥आद्वयामिद्वसर्न॥अवाँवाँवूँवाँवूँआग्न
किरुस्त्रायङ्कगवारुनाययाद्वका॥अववर्ग॥वूँवूँववायमारु॥ध्वीध्वीसः
हिगाययाद्वका॥अववर्गधियवानककमरुगववायध्वीनाधिय॥द्वययाः

गायसगलस्यत्रिवात्राययादुकां । जंजकंजुकरुं प्रवाययादुकां । अक्षतनरुताय
यादुकां । अदिश्रयाग्नियादुकां । मरुताग्नियादुकां । सिद्धियाग्नियादुकां । गलेश्व
त्रीयादुकां । साकिनीयादुकां । कालत्राणीयादुकां । दुर्धकणीयादुकां । निशात्रणी
यादुकां । द्यूजनं वलि । आग्नयविदिग्वाग्निश्चाग्निपूजसात्रवाहृगज्जुष्टया
ग्निश्चासीगायसगलस्यत्रिवात्रायवूर्द्धमयाययययदीययूजामयायाथायनी
गाज्जुलिवलिमिगिर्गंडादनयूजाज्जुमूककाम्ययावलिगृह्ण २ उयू २ मयू २ ल २ ख
२ खादि २ गमिकयू २ दू २ रु २ स्वा २ रु २ दमस्ववप्रदा मम ४ । धूयदीय । जाय । यौ ९
०० । कै १० । यानिमूडी । ॥ स्माय । नमायुगननप्रभायशकिरुसमरुवलि । आ ३
॥ अदिगमास्तुय दूगासननमायर्ह । ॥ कशसात्रुनरुं प्रवानप्रयनित्रोड

[illegible]

दूकी। चवर्गवधुरे चवायकामात्री सहिताय यादूकी। चवर्गः अग्निवरात्तमहाकरे चवा
यम्भसानाधियनयसांगायसगलस्य विवाय यादूकी। चवधुरे चवाय यादूकी। कंका
धरुगाय यादूकी। गम्भीराय यादूकी। धामनियादूकी। सुलाये यादूकी। चवनागि
यादूकी। उवाभिकाये यादूकी। रीधनाये यादूकी। महानन्द्याये यादूकी। दाला मुखे
यादूकी। वलि। दक्षिणदिग्वाणी ह्यायमदधु अग्निवरात्तवधकाधरुगाष्टकयागि सहि
गायसांगायसगलस्य विवायाय नूदमयायूयधूयदीययूजामयायथायनीगाय
लिवलियिनिगीडादनयूजामयूयकायवलिं गृह्ण २७ नू २ मू २ ल २ ख २ खादि २ सा
कि २ नू २ दू २ रु २ खा २ दमस्वववदाममा। धूय दीय जाय। मां खा १०। कं खा १०।
। स्थाण। नमास्तुतयमसायदधु रुसुधवायय। दक्षिणदिग्वाणी मास्तुतयधर्मजाऊन

मास्तुग ॥ ॥ वलुव (धुश्च) वरुगिठुवननदलनसंरुप्रंष्टुद्वयकालिनिनांजनारुनयन
गियधनं नकवर्कवनीदं । हादावृद्धादिरुर्ध्वं अगिरुलवधुर्गंदधुयासं कयात् । मंमं
मंमनुवृयगिठुवनरुवर्धदगयात्ननमामि ॥ ॥ कालागिनिस्त्रिगादवीकामाप्रोतिखिवा
रुनीशस्त्रादविन्दुमूडाववात्तसूर्योनिनीनिरु ॥ विधिनीष्टदमास्त्रयववर्गश्च
यश्चत्री ॥ दगयात्तावलुनार्थकामाप्रोवनमास्तुग ॥ ॥ नमस्तुदद्विष्टस्त्रयसंर्वदवाधि
धवगा ॥ मयाऊयनकार्यवदहिमकययामम ॥ अगगन्धदि ॥ धनदद्विष्टवलि ॥ ॥
गगानेमयवलिधूजा ॥ यास ॥ आवाहन ॥ नेमयदिग्वाशास्त्रां रूमधुलआगच्छस्वाहा
यगास्त्राययादूका ॥ धन ॥ महायगासमाचूर्तधूमवधुमहावर्त । स्वप्नरुस्त्रधुर्गंदव
आवाहनादसंघर्ष ॥ अदोदोदोदोदोदोनेमयस्त्रमाहस्त्रायगाधियगाययादूका

[illegible]

काष्ठाङ्गं रुद्रं वशिष्ठं वननमितां गृहि संलात्रकलाधूमार्हं नृकवर्कं मदूवलयनं वृक्षमा
लादिरुषीं खड्गं रुद्रं वरुणं अरिजयधनीं विन्दुवृष्यं कयातं दं दं दं खड्गं रुद्रं वशिष्ठं
वननयदं दं दं ययातं नमामि । । अहं ह्यसस्त्रिगदवी वैष्णवी गङ्गा सनी । । रं खड्गं कध
नादवी काश्रविन्दुधनायनी । । रुद्रं नीलयगी काशीं निम्बद्वयनिवासनी । । दं ययातं का
धनाङ्गं रुद्रं नीलयमध्वनी । । नैमत्यदिगमास्तुयनायायनिनभास्तुत । । नभास्तुत ककु
रुषीदवगासगह्वयत्र । मयायऊनकामाश्च दहिमद्वययामम । । अत्रगंधादि ।
धनं नैमत्यवलि । । गगाववृक्षवलि । यास । आवाहन । ववृक्षदिगवाशीत्याहं रुद्रम
लुलभागद्वयस्वाहा । यतास्माययादुर्का । स्मन । मकनायुष्टगस्तुययाहाहं रुद्रम
वर्त । शुक्रवर्तुमरुतं ववृक्षमाद्वयाम् । । अवां वीवूं वूं वूं ववृक्षययाहाहं रुद्रमायः

कलाधियगययादूकी । नवगर्भः डसकरु नवायवावाहीसहिगाययादूकी । नवगर्भ
 कालादकरु नवायभभनाधियगययादूकी । रुंरुगुरु नवाययादूकी । नैविन्दूना
 तरुगाययादूकी । दूंकालीयादूकी । रुखवीयादूकी । दीर्घाययादूकी । धूमादीय
 दूकी । कवरुधिययादूकी । मारुजीयादूकी । काकदहियादूकी । शिष्टत्रवागिया
 दूकी । वलि । ववृषदिग्वाहीरुवावृषनामकालादकरुगुविद्यगुदूकादिवाहसहि २१
 गायसांगायसगस्यत्रिवावायवूदमयायंयधूयदीययूजा मयायथमयनीगाअलिव
 लियिगिगीडादनयूजाअमकाकायावलिगुदूक २३ नूरमूर २स्त २ख २खाहि २गानिक
 नूर २दू २रु २खा २का २म २व २व २म २म २धूयदीयजाय । नूखा १० । गंखा १० ।
 रुग । ववृषाअयसाधिययागुरुसमरुवलयाताल । नू गलवासिचअरुवाजनम

[illegible]

धूपदीपगाय॥ यं स्वाहा॥ यं॥ ॥ ~~स्वाहा~~॥ नमो भगवते श्रीगणेशाय सर्वपापहृत्स्विगच्छत
। शंकरसंयदवाधुययवनाय नमो भगवते॥ ॥ कणसर्वकृतार्थमन्त्रादिगयगिरिरेववाह
गनाथः नकास्यं रुद्रिगवर्धुनयनयययूरं मधुमालादि सारं स्वप्नरुटश्च ध्वजाक्ष
कवधृगगिधुरं विन्दुमूढाय सिद्धिं यं यं यं वायुगर्भं सकलरुयहर्गदगयालं नमा
मि॥ ॥ कणश्च त्रिगमाष्टयल्ल्यानी कवित्रासनी॥ वजाक्ष विन्दुमूढावरुमवर्धुसुसार
न॥ कयाल्लरेवर्वदण्डम्वयाष्टदवाशिनी॥ यवगर्भनिलयद्वी सर्वभाक्षयदायनि॥
वाययस्कसमाष्टयल्ल्यानी वनमाशुग॥ ॥ नमो भगवते मन्त्रा सर्वदवाधिदवगा॥ मया
अगर्भं धादि॥ धनवाययवलि॥ ॥ गगाकूवववलि॥ यास॥ आवाहन॥ कूववदिग
वाणीयाल्लमधुल्लज्जगच्छस्वाहा॥ ममास्त्राययादुकी॥ ध्यान॥ ममासनमाचूर्णं गदा

रुक्मधनाधिय। योगवर्षुसुनजांग अरुमरुवाधिय। सांसीसूंमूं संकववायगदाहस
 ययकाधियगययादूकी। यवगर्नहीमलरुववायवामुसुं स वुं हिगाययादूकी। यव
 गर्नकयादरुववायधमभनाधियगयसांगयसगधस्यत्रिवा व वाययादूकी। जैकै
 कावरेववाययादूकी। रुंउमरुगाययादूकी। वीवरुडाययादूकी। मरुकात्तीया
 दूकी। कंकात्तीयादूकी। विहगाननाययादूकी। काधवायेयादूकी। रीमरुडायेया
 दूकी। वायवगमयेयादूकी। रुयाननायेयादूकी। वलि। ववत्रदिगवाशीयाकववि
 मुचकयादकालवमरुगयागिचाहसहिगायसांगयसगधस्यत्रिवावायवूदं
 मयाययधूयदीययूजामयायथायनीगाअलिवलियिगिगीछादनयूजाअमूक
 काम्यावलिगृक२३४५६७८९१०१११२१३१४१५१६१७१८१९२०२१२२२३२४२५२६२७२८२९३०३१३२३३३४३५३६३७३८३९४०४१४२४३४४४५४६४७४८४९५०५१५२५३५४५५५६५७५८५९६०६१६२६३६४६५६६६७६८६९७०७१७२७३७४७५७६७७७८७९८०८१८२८३८४८५८६८७८८८९९०९१९२९३९४९५९६९७९८९९

मम । धूय दीय जाय । मं । स्वाहा १० । यं १० । ॥ स्वाहा । नमो भुवनेश्वर्यार्जुन गदाधरं
। कृवन्नाधियर्गिंदवं ॥ धनाध्वर्यं नमो मारुतं ॥ ॥ द्रुपसा नाथ नोर्ध्वं कालिगणि खगिखा
नकवकाशिनर्गं श्रीगीर्गं ॥ नृपुमालीं अरि कूल रुवर्णं ॥ हाउर्कका प्रसारु ॥ स्वर्गं रुटं गदा
ध्वं दृगगिक प्रयुर्गं स्वर्गं नृविन्दु मूडा र्गं र्गं कावमर्कं यव गिज गदिर्गं द्रुगयात्तं न
मामि ॥ ॥ नकाभेयस्त्रिगादवी दंशं वामुल्लय गदा रुनी ॥ स्वर्गं रुतं तिं ति मश्च स्वद्वान्
कर्त्ति स्वर्गं ॥ नवायस्त्रिनिगादवी रुद्राधु काद्वं कशिनी ॥ गाल दृद निवासिन्नायवर्ग
श्चल यश्च श्री द्रुगयात्त रीष नश्च वामुल्लय नमो भुवनेश्वर्यार्जुन गदाधरं ॥ ॥ नमो भुवनेश्वर्यार्जुन गदाधरं
वाधिदवना ॥ मयाय न नका मश्च दहि मरुत यामम ॥ अर्गं धदि ॥ श्वन कृव प्रवलि
॥ ॥ गगावुगीश नवलि ॥ न्यास ॥ अवा रु न ॥ ॥ ॥ नदि गवाही र्गं रु मधुल आग

कृष्णराहा ॥ दृष्टा स्नाययादुकी ॥ ध्यान ॥ दृष्टा तूट मरु भान गूल रुस मरु ध्वनी ॥ खग वज्रु म
 हा गेड मावा द्रुग नायकी ॥ हां हां द्रुग द्रुग भानाय विगूल रुसाय रुगा धिय गाय
 यादुकी ॥ धवग्नर्णी हा वरु ववाय म ॥ हा लक्ष्मी सहि गाय यादुकी ॥ धवग्नर्णी म नू
 यरु ववाय धम भाना धिय गाय सांगाय ॥ सगल स्य विवाय यादुकी ॥ की कुरु ववाय
 यादुकी ॥ मरु उ मरु गाय यादुकी ॥ वक्राची यादुकी ॥ वेष्णीवी यादुकी ॥ वीधिया दू
 की ॥ वध्विकाये यादुकी ॥ वृणीध्वनी यादुकी ॥ वावाही यादुकी ॥ नावर्षीहियादुकी ॥
 निवादूनी यादुकी ॥ वलि ॥ वृणी भान दिवाणी ॥ हा वृणी भान सी हा वरु म नू यक उ मरु उ मरु
 गथा गिवा रु सहि गाय सांगाय सगल स्य विवाय यर्द मया यय धूय दीय यूजामया
 याथयनी गा वलि वलि विगिरी हा द न यूजा भू मू काम्या वलि गृक्ष शुभूर म नू र ल २ व २

खादि२सानिकवृ२द्वंरुट्स्वाहादमस्ववववमम॥धूयदीयजाय॥ॐ स्वाहा॥ॐ १०॥
स्वाहा॥मरुहगाधियमनेधुक्कवर्धुधूलतदक॥व्रीमानाधियमिदव॥व्रीध्ववश्चनमा
मुग॥॥धुजानधुजदरुअहिकूलरुवर्धुधुहोगवधुध्वमस्वमरुट्स्वा॥धूलतदकलधु
गतिधुधुविन्दुकायातमूडा॥रुंरुंरुंमनुवीडयधमिडगदिगीरुववामनुमूर्तिशा
यीवि॥ध्वकनाथसकलरुयधुधुधुययातनमामि॥॥दवीकाटनुदगधालतश्रीव
रिंरुवाहनी॥धूलतदविन्दुमूडावधुमयन्तासुयाधुग॥वट्टद्वनिवासिन्ध्यासंरु
वधुगयातलकी॥धवग्नश्चतयदवीमरुहलश्रीनमामुग॥॥नमामुगमीसवासिन्ध्या
सर्वदवाधिरात्मनामयायजनकाम्यवदहिमधुययामम॥अगुर्गधदि॥वृत्तिवृत्ति
भानवलि॥॥नगाधुधवलि॥आस॥आवाहन॥अधदिगवागीह्यावृहमधुल

अगच्छस्वराह ॥ कूर्मास्त्राययादूकी ॥ अन्न ॥ कूर्मवृष्टसमावृष्टं अगसौयूयसीनिरुं ॥
 शीखयकगदाद्यश्च विष्णुयागात्रवासिनी ॥ अं अं अन्नकाययकुरुक्षानागाधियगय
 यादूकी ॥ रुं रुं गकुरुं ववायधसनाधियगयसीगायसगहस्यविवात्राययादू
 की ॥ डड्डाननरुगाययादूकी ॥ वलि ॥ अधदिग्वाभीत्याहगकुरुं ववायडड्डानन
 रुगायसीगायसगहस्यविवायवृंदमयायूयधूयदीययूजामयायाधायनीगाअनिव
 लियिगिगंडादनयूजाअमूककाम्यावलिं गृह्ण २७ नृ २ मू २ ल २ ख २ खा रि २ सा न्नि क
 वृक्षं रुं रुं स्वाह दमस्वव नदा मम ॥ धूयदीयजाय ॥ अं १० ॥ ॥ स्मृ ॥ यागात्तवासि
 नादव विष्णु वूय मरुत्तन ॥ सर्वयायविनिर्मूकं वागर्वयवमाम्यहं ॥ अगगधदि ॥
 धमअधवलि ॥ ॥ गगाडड्डवलियूजा ॥ यास ॥ अवाहन ॥ डड्डकन्दवाभीत्याह

१५

धनं दमरु वलिदा वदं द ३२ व अ य अ य नै ज्ञा । डं डं अं व अ य या दू की । डं डं यं य
अ य या दू की । डं डं नं म रु ना सा य या दू की । डं डं डं सु म र वा य या दू की । डं डं थं ड म
खी या दू की । डं डं थं व ला य या दू की । डं डं नं न व र य या दू की । डं डं डं य थ मा य या दू
की । डं डं थं थं रा य या दू की । डं डं नं सो मा य या दू की । डं डं थं री मा य या दू की ।
डं डं नं म रु व ला य या दू की । डं डं गं ड या य या दू की । डं डं नं वि ड या य या दू की ।
डं डं डं अ डि गा य या दू की । डं डं डं वा य ना डि गा य या दू की । डं डं सं अ य ना डि
गा य या दू की । डं डं नं म रु क ठा य या दू की । डं डं गं गु क्ता य या दू की । डं डं सं सी रु
त्रि श्रे या दू की । डं डं नं वि क ठा य या दू की । डं डं सं जा ग रु त्रि श्रे या दू की । डं डं नं
द ड्ढा त्रि श्रे या दू की । डं डं डं गु क्त न व र य या दू की । डं डं डं य स रु त्रि श्रे या दू की । डं

२३

कौं स० अ० स० साययादूकी॥ डेंडौं कौं स० हात्रि (अ) यादूकी॥ डेंडौं नैरुडकल्ययादूकी॥
डेंडौं रुडाययादूकी॥ डेंडौं नैरुडाययादूकी॥ डेंडौं यैरुमाययादूकी॥ डेंडौं
डेंडौं सरुडिकाययादूकी॥ ॐ शिवगी गियूजा॥ ॥ धनदं मरुवलिटावयाल ५५
०॥ यैयासदगयाल॥ जै० अ० अ० म० खदीय अ० क० ल० द० वी० सिद्धि स० वि० द० ग० या० ला० य० या०
दूकी॥ जै० अ० अ० आ० न० च० दी० य० आ० सा० द० वी० सिद्धि स० वि० ग० द० ग० या० ला० य० या० दूकी॥ जै० अ० ॐ व
लि० रु० डा० य० दी० य० ॐ च० म० गी० द० वी० मा० न० गी० ल० द० ग० या० ला० य० या० दूकी॥ जै० अ० ॐ व० च० दी० य०
ॐ गी० ना० च० द० वी० य० म० दं० द० ग० या० ला० य० या० दूकी॥ जै० अ० डें० य० व० ग० दी० य० ड० ग० व० ला० द० वी०
म० हा० द० व० द० ग० या० ला० य० या० दूकी॥ जै० अ० डें० ग० ध० र्व० दी० य० सु० ना० च० वी० व० लि० ग० रू० द० ग० या० ला०
दू० या० दूकी॥ जै० अ० म० द० लु० य० वी० दी० य० स० म० म० ली० द० वी० (अ) ग० व० न० च० द० ग० या० ला० य० या० दूकी॥

जै० गंगायत्री नन्दीयारुक्मन्दीयमन्त्रीयैद्वययालाययादूकां । ९ सनवासदीययरा
 वरीदवीधुरुदद्वययालाययादूकां । १० वत्तदीयस्वनाम्यादवीदुर्ध्वकशद्वययाला
 ययादूकां । ११ यगस्रुक्दीयरुक्कटीदवीशिलावनद्वययालाययादूकां । १२ जैला
 कवासदीयडाकादवीधुवगनद्वययालाययादूकां । १३ डांगवेददीयलायकादवी
 कुमावद्वययालाययादूकां । १४ डांगदीयजुश्यायादवीरुदद्वययालाययादूकां २१
 । १५ जैनरुदीयजुशनीदवीसिरुस्यद्वययालाययादूकां । १६ जै० ४ जूननदीयजुम
 वसीदवीमरुद्वययालाययादूकां । १७ जै० कौकलुदीयमनारुवादवीमरुवि
 रुद्वययालाययादूकां । १८ खोसिरुलादीयकुवादवीमरुयागीद्वययालाययादू
 कां । १९ योसुवर्लुदीसुयकीधुद्वीयधुनाथद्वययालाययादूकां । २० जै० खो० कलुया

दृगदीयचनत्रवाद्यवीयद्वनाऊद्वययालाययातंदूकीं।
द्वौस्वामूखदीयविरुगि
द्वीमहागद्यगिद्वययालाययादूकीं।
द्वौकर्तृदीययवभाद्वीमहाऊयद्वयः
यालाययादूकीं।
द्वौडागिया नदीयकावेवागीद्वीमहारुगुद्वययालाययादूकीं।
द्वौडातंधनदीयद्वलनीद्वीमहाडिद्वययालाययादूकीं।
द्वौचकयाद्व
दीयसूरुडाद्वीसूरीमहाद्वययालाययादूकीं।
द्वौययासत्रदीयगुरुगाद्वीरुया
नकद्वययालाययादूकीं।
द्वौऊगदीयमृगान्द्वीऊयरुद्वययालाययादूकीं।
द्वौसात्मलिदीययामनिद्वीमहादिद्यद्वययालाययादूकीं।
द्वौयनदीयवध्वला
द्वीद्वीवीद्वययालाययादूकीं।
द्वौऊमावीदीययमद्वयद्वीऊमावीद्वययालाययादूकीं।
द्वौयवदीयवलाद्वीमहाडद्वययालाययातंदूकीं।
द्वौयस्वदीय

यदहुवा दवीधीधरिध्रवदगयालाययादूकी।
 ध्रुं ददगयालाययादूकी।
 ध्रुं वलुदीयरीमप्राम्वायवीधुगन्धिदगयालाययादूकी।
 गयालदगयालाययादूकी।
 ध्रुं वलुदीयधर्मायवीमहाकायदगयालाययादू
 की।
 ध्रुं सप्रदीयसुमरीयवीयस्यदकदगयालाययादूकी।
 ध्रुं गामूधदीयवका
 म्वायवीधनन्ददगयालाययादूकी।
 ध्रुं गर्हायदीयएष्टायवीविमलदगयाला
 ययादूकी।
 ध्रुं सूर्यदीयमनासनीयवीअनन्ददगयालाययादूकी।
 ध्रुं अश्वदीय
 रुयवगमायवीमहाधुक्कदगयालाययादूकी।
 ध्रुं मप्रदीयविश्वगजिद्धायवीमहा
 विजलदगयालाययादूकी।
 ध्रुं वहीगदीयलेखायवीकावूदीदगयालायया

दूकीं। **खौं** शत्रुघ्नयत्रवक्ष्यादवीशुरुननक्षयालाययादूकीं। **खौं** अमृतासत्रघ्नय
सत्रघ्नयदवीत्रगिषियक्षयालाययादूकीं। **खौं** अनन्दघ्नयत्रागदवीशुत्रासत्र
क्षयालाययादूकीं। **खौं** गंधर्वघ्नयनटीदवीविर्णागक्षयालाययादूकीं। **खौं**
अंगभयघ्नयनादाक्षदवीविर्णालोक्षयालाययादूकीं। **खौं** नमघ्नयसर्वगसा
दवीयक्रानक्षयालाययादूकीं। **खौं** ~~विजयसक्षयालाययादूकीं।~~
धनदूमहावलिहवरुवरग८। **समदा**। धीशूनीयमदवनाथशूनीयमदवीयादू
कीं॥ **वधनया**॥ धीनिवानन्दनाथदवधीनिग्रामयदवीयादूकीं॥ **रुलिया**॥ धी
सखानन्दनाथदवधीशोरुर्लदवीयादूकीं॥ **मयनकटिया**॥ धीवन्दयूननन्दना
थदवधीवन्दयूनीदवीयादूकीं॥ **नागात्रकिया**॥ धीकलाश्वनन्दनाथदवधी

पार्वतीदवीयादूकी ॥ लंगुवा ॥ श्रीसिद्धानन्दनाथदवधीवेसूक्तकाटश्रीदवीयादू
की ॥ गलुवा ॥ श्रीविमलानन्दनाथदवधीविष्णुश्रीदवीयादूकी ॥ गितयूत्रिवा
धीदयानन्दनाथदवधीदमनादवीयादूकी ॥ माध्या ॥ श्रीनयातलडरुयधीभद्रिकायय
वप्रकवियरावानन्दनाथदवयमादादवीयादूकी ॥ **धनदयवागयूजा ॥**
यूचावनि ॥ श्रीययागमराक्षगर्गकप्रनाथवक्त्राजीशूदवीयादूकी ॥ त्यादा ॥ श्रीवावा
जसीमराक्षगवक्षिकानन्दनाथमारुश्रीदवीयादूकी ॥ पंगुत्रि ॥ श्रीकावायूत्रम
राक्षगयागमनन्दनाथकामाश्रीदवीयादूकी ॥ ग्वंस्व ॥ श्रीशूदरासमराक्षगसरुत्रि
सानन्दनाथवैष्णवीदवीयादूकी ॥ गत्रन्दू ॥ श्रीजयनीमराक्षगरुर्लानन्दनाथवावा
हीदवीयादूकी ॥ नवलिङ्ग ॥ श्रीवत्रिगमराक्षगकिलिकिलानन्दनाथव्दानीद

वीयादूकीं ॥ ॥ गमकर्तु ॥ श्रीविश्वेश्वरमहादेवकावचाशीनन्दनाथवामभुजवीयादूकीं ॥
॥ ॥ सावन्द ॥ श्रीदवीकाटमहादेवरुद्रिषणनन्दनाथमहालक्ष्मीदवीयादूकीं ॥ ॥ मध्या ॥
अनादियी ॥ ० मन्महादेवकोलितुष्टुं कृदिकाम्बायुं श्रीकृतवकष्यत्रियादूकीं ॥ ॥ जंजं ॥
अनादियी ॥ ० मन्महादेवकोलितुष्टुं कृदिकाम्बायुं श्रीकृतवकष्यत्रियादूकीं ॥ ॥
यादूकीं ॥ ३ ॥ वलि ॥ **धनदधुवागयुजा ॥** ॥ ॥ वना ॥ श्रीशिवयागमहादेव
अभिगाङ्गरेववायअवकीवीदवीयादूकीं ॥ ॥ गिमता ॥ श्रीवाचाश्वरीमहादेवयूयू
प्रवायकमाहृष्यादवीअम्बायादूकीं ॥ ॥ सूर्यति ॥ कात्रायमहादेववसुदेववाय
यकासावीदवीयादूकीं ॥ ॥ वलिम ॥ श्रीअहलासमहादेवकाधरेववायटंवेम्बवीद
वीयादूकीं ॥ ॥ भासयि ॥ श्रीअयनीमहादेवउन्नरुदेववायरीवावाहीदवीयादूका ॥

गंगा नवलिङ्गाः ॥ गुबूनमस्कात्रादि ॥ च्यास ॥ यवयववच्यास ॥ गिरवाच्यासकल
वक्राङ्गच्यास ॥ उल्लाघ्यागयूजा ॥ रुगधुद्धिआत्मयूजान् ॥ ॥ विदवा ॥ गंगोगूथीक
लग ॥ श्रियाययादुर्का ॥ दौदौदूदः ॥ दगयालाययादुर्का ॥ शीदौकलयूगवदुक्
नाथाययादुर्का ॥ वलिमूर्जा ॥ यांयागिस्त्राययादुर्का ॥ वलि ॥ ॥ आसन ॥ चिआदिनाथ
स्त्राययादुर्का ॥ दौरेववनाथस्त्राययादुर्का ॥ शीसामनाथस्त्राययादुर्का ॥ खं ॥ आ
मर्दकनाथस्त्राययादुर्का ॥ झांमहायुगनाथस्त्राययादुर्का ॥ धन ॥ श्यामयंत्रानन
यश्चदशनयसूरीमर्ज ॥ दशवाद्यं वीदयूर्य ॥ श्रिगाननासनस्त्रिर्ग ॥ कायविगूल
उमर्जवीजयूवश्चदक्षि ॥ खद्वाभयवर्गुवेव विजार्हवामवाद्यथ ॥ ॥ गववाद्युद्ध
यनेवविधुर्गगजयर्मर्क ॥ ॥ लं ॥ आत्वागिर्यभर्न गगायजनमात्ररुग ॥ ॥ अथे

20

[illegible]

33

कुयकुलाहिकाशहोयादुकी॥ डं डं मन्त्रावाटीशहोयादुकी॥ डं डं वमन्त्रवक्त्रुमि
काशहोयादुकी॥ डं डं धिमन्त्राविगिराशहोयादुकी॥ डं डं वमन्त्रवृणकलाशहो
यादुकी॥ ॐ गिलाकिआहक८॥ ॥ अं अरुसिद्धिनाथनिवृत्तिकलाययादुकी॥ अं सि
रुसिद्धिनाथयगिष्ठाकलाययादुकी॥ ॐ धाउसिद्धिनाथविद्याकययादुकी॥ ॐ नाद
सिद्धिनाथशान्तिकलाययादुकी॥ ॐ सिद्धिनाथवामकलाययादुकी॥ ॐ धामसिद्धि
नाथऊष्ठाकलाययादुकी॥ ॐ नागसिद्धिनाथबोडाकलाययादुकी॥ ॐ रात्रल
सिद्धिनाथशुक्लिकाकलाययादुकी॥ ॐ ॐ ॐ ॐ शिखमन्त्रमरुकरुववाययादुकी
मरुंगवर्त्ति॥ मरुवर्त्तिकवर्त्तुककामवृथयादि॥ ॥ गगाप्रजाकिनीयूजा॥ ॐ ॐ ॐ
ॐ ॐ ॐ ॐ किनीयादुकी॥ वां वां वूं वां वां वां किनीयादुकी॥ लां लां लूं लां लां लां किनीयादु

ॐ ॐ ॐ ॐ

ॐ ॐ ॐ ॐ

ॐ ॐ ॐ ॐ

[illegible]

ग० महायूजागृह्ण २ सिद्धिं कुरु २ स्वाहा ॥ नमस्तुते ॥ ॥ जैं जैं जैं जैं जैं जैं जैं
 श्री काला खाय द्युं श्री जू मृगा वगिद्वी स्वर्ग कि स्वयं विवाय वा नृथ काली कल ॥
 महाभसाना ॥ धियमयेशी उय निमहा द्युं ॥ ६ श्री उमरु महारु ववाय श्री
 वा नाली यत्रा म्वा जूलि वलि धि गि ग० महायूजागृह्ण २ सिद्धिं दहि २ स्वाहा ॥ वा नृथ
 ॥ ॥ जैं जैं जैं जैं जैं जैं जैं श्री कलालि नाय द्युं ॥ वा किद्वी स्वर्ग कि स्वयं विवाय ॥ २७
 सहि गाय वाय यल श्री वन ॥ महाभसाना धि ॥ यमयेशी यत्रि गमहा द्युं न
 जरी कया लि सरु ववाय श्री ॥ ॥ उदाली यत्रा म्वा जूलि वलि धि गि ग० महायूजागृ
 ह्ण २ सुषं दहि २ स्वाहा ॥ वाय यवलि ॥ ॥ जैं जैं जैं जैं जैं जैं ४ ॥ श्री न कया दाय
 द्युं श्री कमला वगिद्वी स्वर्ग कि स्वयं विवाय सहि गाय उरु वकल ॥ ॥ करु ववाय

[illegible]

सहिगायडुर्ध्वमसानाधियमययीर्क्किं कामभश्चरुं प्रवायवलिं गृह्ण २ य ३ २
 स्वाहा ॥ नूतिदिग्वलि ॥ ॥ दार्कवला समययी ० वलिदालस ॥ जंझंयं जंझं
 यानयी ० यी ० नायकी विकटा कटयूय सृष्टिका मिनी वक्रयूय स्वा मिनी जंझाल
 २३ श्वययी ० यी ० नायकी दाला कामिनी वक्रयूय स्वा मिनी ॥ योयू लु गिप्रयी ० यी ०
 नायकी योयू वचवाथ सचयी योयू मजला कामिनी वक्रयूय स्वा मिनी खंयी का ३३
 मयूयी ० यी ० नायकी यी का कामिनी वक्रयूय स्वा मिनी सृष्टिका प्रिणी ॥ कंरु
 कणककलुटिला उदाग कं कनी अं वद विद्रियी ० ययी ० दणाय दणवयुय
 थयी ० न कटनदी सीगम जंझं जंझं दं दं सर्व विद्यय समनिसर्व सिद्धि
 काली अं विस २ आवसय २ अलिवलि यिगिगी वलिं गृह्ण २ रुं ३ २ जंघी सिद्धव

मूलाययादुका॥ श्री० वलि॥ × ॥ गगामूलदालसबूडगानिबलिविद्यडल्यागयाज्
नूकमन॥ अद्यावचास॥ छीगानदले॥ डं० शं० बूडायनम० स्वाहा॥ डं० शं० बूडायनम०
स्वाहा॥ डं० शं० अविमूकायनम० स्वाहा॥ डं० शं० असीरुवायनम० स्वाहा॥ डं० शं० अ
मायनम० स्वाहा॥ बूडगत्वज॥ ॥ डं० शं० वदल॥ डं० शं० विश्वबूडायनम० स्वाहा॥ डं०
शं० मरुविश्वबूडायनम० स्वाहा॥ डं० शं० कबालबूडायनम० स्वाहा॥ डं० शं० विष्णु
गबूडायनम० स्वाहा॥ डं० शं० विष्णुगिबूडायनम० स्वाहा॥ यक्षगिरत्व॥ ॥ वाय
यदल॥ डं० शं० नूकथिंगलायनम० स्वाहा॥ डं० शं० अथगथिंगलायनम० स्वाहा॥ डं०
शं० ककथिंगलायनम० स्वाहा॥ डं० शं० मधूथिंगलायनम० स्वाहा॥ नियगरत्व॥ ॥
यथिमदल॥ डं० शं० अननायनम० स्वाहा॥ डं० शं० आडायनम० स्वाहा॥ डं० शं० सुस्का

२५
यनम० स्वाहा । डं शं भूवयवागमायनम० । नेमस्यदत्त । ४ । डं शं कलात्रोनम० स्वाहा
डं शं विक्रान्तायनम० स्वाहा । मायागत्वश । ॥ दक्षिणदत्त । डं शं सरुयणीया
यनम० स्वाहा । डं शं सरुयवकायनम० स्वाहा । डं शं सरुयकलवलनायन
म० स्वाहा । डं शं सरुयलिंगायनम० स्वाहा । ४ विद्यागत्वा । ॥ अग्नयदत्त । डं
शं उकडायनम० स्वाहा । डं शं द्विजडायनम० स्वाहा । डं शं त्रिजडायनम० स्वाहा ३१
हा । डं शं स्वाहाकालायनम० स्वाहा । डं शं स्वधकातायनम० स्वाहा । डं शं वध
टकातायनम० स्वाहा । ३ । छीश्वरगत्वा । ॥ यूर्ध्वदत्त । डं शं रुगयगयनम०
स्वाहा । डं शं मरुगयगयनम० स्वाहा । डं शं यधुयगयनम० स्वाहा । डं शं
उमायगयनम० स्वाहा । डं शं सर्वयगयनम० स्वाहा । डं शं कालाधियगय

नमः स्वाहा ॥ ३ ॥ शिवरात्रि ॥ मि ॥ मध्याह्न ॥ डं डं डं माये कयूयधालिन नमः स्वाहा ॥
३ ॥ मध्याह्न रायक ॥ ॥ डं डं डं डं भर्कियवका मित्रगाया धाविनासर्न ॥ नयाध
मूयधृष्टानादिवायगनवस्मस ॥ यमानयकसंरुगिः कललानिश्चजायगा ॥ य
यथाशाविनस्यक्ति रुवन्निवनयूसका ॥ मात्रीयात्यश्रमयय सुगर्गयगृह्य
हा ॥ गर्हः यगल्यकालन पूयं वायगुयायग ॥ दूरिक्कलेवयीयन्त नाक्षत्रा
तथैकाग्रले ॥ गद्ययगविप्रधन कागवश्चायनकग ॥ यिगामागस्त्रमावेव कं द
लायकगृह्य ॥ यश्चक्तिवकयिस्त्रवीर्जकागनगारुगि ॥ गवाथयगवाष्टेवदा
सा ॥ कर्मकवास्तथा ॥ गृह्णस्त्रिगाविप्रधन गगधनिप्रयाजयग ॥ कृथावागर्ज
गयग यष्टवंगश्चरिद्यग ॥ गत्रवानाहगाष्टेव सुवन्निप्रविप्रवेद ॥ यवगाष्टे

२५

वट्टकाश्च नृप्यनिवसरुं गिव । अकालयूषिगाष्टका ४ रुतिगाश्चयनक ४ । उक्ताय
 गाश्चजायनरुमिकल्याश्चदाग्रुष ४ । निमिरुं प्रधुं रुं प्रधिरुं प्रलेश्चयिसदाग्रु ४ ।
 उकायययगा रुत्वा गगुषा निंयया जयग । नूदगानि समुत्थली कथा वट्टा मिगत्व
 ग ४ । ॥ डं डं डं कू नू नू नू निरूडा गिदवो नीद वदव विगख रुन रू रु रू यय रू
 मथ रू रु नू नू नू नू नू नू निं मनू सम वट्ट कू थिं गल अकालयिषा वाधियकय वि ॥
 श्रवायनम ४ स्वाहा । डं डं थामथायिनथाम नूयाय सव्वथायिन गिवाय अनाथा
 य अनाधिगाय कू वाय अनन्ताय गिदगत्वाय नम ४ स्वाहा । ॥ गिमथ ॥
 पूर्वदल । डं डं गश्चगायनम ४ स्वाहा । डं डं यागयी ॥ य सँ चिगायनम ४ स्वाहा
 । डं डं निर्यया गिननम ४ स्वाहा । डं डं अनाहा वायनम ४ स्वाहा । डं डं डं नममि

३८

वायनमः स्वाहा । डं शं सर्वधरुवर्णी नमः स्वाहा । डं शं गत्युत्तमवः
कायनमः स्वाहा । डं शं शुभाय नमः स्वाहा । डं शं महागि वगत्वाय नमः स्वाहा ।
। । अग्निदत्त । डं शं अद्यावद्दयाय नमः स्वाहा । डं शं वामदवगुहाय नमः स्वा
हा । डं शं सथाकारमूक्यय नमः स्वाहा । डं शं नमानमः स्वाहा । डं शं गुप्तागि गु
प्ताय नमः स्वाहा । डं शं गायकनमः स्वाहा । डं शं अनिधनाय नमः स्वाहा । डं शं
सर्वथागविहगाय नमः स्वाहा । डं शं अगि वूयाय नमः स्वाहा । डं शं गि वारमा
य नमः स्वाहा । डं शं रुणीश्वरगत्वाय नमः स्वाहा । । दक्षिणदत्त । डं शं यत्रमः
श्वरययाय नमः स्वाहा । डं शं अत्रगनाय नमः स्वाहा । डं शं मिन्नयायिन नमः स्वाहा । डं
शं अत्रयिनयथ नमः स्वाहा । डं शं विद्यागत्वाय नमः स्वाहा । डं शं उक्तनय

यनमः स्वाहा ॥ नेमस्य दत्त ॥ डं ईं अयय अन्नमि अयू म अरु स्र अनादननां नाना धूं धूं
 धूं डं रुं डं रुवः नमः स्वाहा ॥ डं ईं न कयू जयनमः ॥ डं ईं माया गता यनमः ॥ य
 धिमदत्त ॥ डं ईं डं स्व अ निधन निधन निवना रुव गिव सर्व य व मात्मन महेश्वरम
 हादवायनमः ॥ डं ईं विमूक यनमः ॥ डं ईं काल गता यनमः ॥ वायय दत्त ॥
 डं ईं सहा वध्वनमहा गजया गधिय यनमः ॥ मूयः २ य मथः २ सर्वः २ रुवः २ रुवाः २
 व सर्व रुग सुख यदः ॥ डं ईं मरुध्वना यनिय गिता यनमः ॥ डक यदत्त
 डं ईं सर्व सी निध क व वक्र विष्णु यदत्त अन्नमि र्गः २ अ स सु ग र यू र्व व स्ति २ सा
 दिहः २ यु नू र य री ग र यि ग र नमः ॥ डं ईं थी कः ॥ यनमः ॥ ॥ हुं ग न दत्त ॥ डं ईं
 डं हानः २ गि दः २ सू मः २ गिव सर्व द डं नमः ॥ गिवा य डं नमानमः ॥ डं गिवा यनमान

म० डं डं यक्षगिरिगत्वायनम० ॥ नृदक्षानिर्दयं निर्यं सर्वयाये० यमूर्यन० डयडवम्
सर्वम् सर्वत्यागमूर्खम् ॥ मय्यगनागसंदहास्यं सत्यं गिखिच्चज० क्वायनाश्च
नकम्मादिदीक्षायावययावृद्ध० ॥ यश्चगनकवृत्तसाक्षादिष्टायूरेर्विद्ययंग० ॥ वाण
ययनिमिष्ठाकोदशशब्दादिकर्मम् ॥ श्मशानुष्मचनिर्यम् मान्यायावह्यवक्य
न० ॥ श्मशानिनिष्ठगथकर्म कश्चाच्चागनमात्रो० ॥ यद्यलीयकालं सारं श्मशानिकनावि
निर्यग० ॥ ॥ वृत्तिनृदक्षानिर्वलिस्माय० ॥ ॥ गताविष्णुश्मशानिर्वलि॥ वेष्णुच्यास
डं नमारुगवरावासुदवायनमाइनकायसहस्रगीर्मायक्षायाद्युवधायिनल
मरुगयर्थक्षायगवृत्तवारुनायभूजायभूजितायभूयवाजितायभूनिगायय
गवायसवासुदवर्णकर्मवय्यम्नायानिबृद्धागिवाववारुनवसिंहवामनगिः

३७

४०

र्दन सर्वदू४ खविनासन न नार्दन न नमा मुग स्वाहा । उं नमस्कृत्स्व नये अरु य अ
जिगम मिता अय य अय या जिगय गि सिद्ध सम व गि सिद्ध न कान (मि) म धर व अय
ध गि सा वि ग म य गी ज ग व ग स मान र्का क ण प्र स्व गि ध प्र धी ध प्र धी सो दा मि नि अ दि ना दि
ग वि न रा (गे) गी र्गा धा वि मा रा मि कृ ष्ण या धा द स स वा दि नी व द्वा वा दि नी का ली क था
लि नी क था ल न य स र्वा य वा य न का लि नी क त ग रं कृ त ग रं अ न ग्री द ग रं मी य द
२ स र्व रु ग स र्वा य द व रु ४ स्वा हा । न का रि क द्वा रि क श्रा रि क वा यु र्थि क मा शि क
द्वे मा शि क वा रि क र्थे रि क (शे) मि क षा नि या रि क ष उ द्वा त वि ष म द्वा त य रु न द
ग दा मा न रु न र्वा ली स प्र २ (गे) वी ध म र्आ ल गाल मा ल गान्ध र्वा ध य व २ म ध र वि
द्य ना र्ण ये या र्थ रु व दू ४ स्व य वि ना ण नि व ज नि सी (धु) दू चू रि ना द मा न सि वा ग

[illegible]

[illegible]

३०

की मू की क की ख की ग की घ की ङ की च की छ की ज की झ की ञ की ट की ठ की ड की ढ की न की त की थ की द की ध की न की य की र की व की ल की म की श की ष की स की ह की क
की ॥ जां जां मरु विधि का वि जी जां मरु सानि दू मरु रुग रुगि नी सानि कू नू शू दू दू
वलिं गृह २ स्वाहा ॥ ॐ गि श्र व व रू रुग वलि ॥ ॥ ज दू दू दू रुख स्व न य न म रुख रुख ४ ० ० द
गंध धूय दीया र्घ्य वलिं गृह २ स्वाहा ॥ ज दू दू दू मरु रुख श्र व य न म रुग रुख ४ ० ० द ग न्ध धू
य दीया र्घ्य वलिं गृह २ सानि कू नू शू स्वाहा ॥ ज दू दू दू मरु नाद रुग श्र व य न म रुग रुख ४ ० ० द
गंध धूय दीया र्घ्य वलिं गृह २ सानि कू नू शू स्वाहा ॥ ज दू दू दू मरु नाद रुग श्र व य न म
रुख रुख ४ ० ० द गंध धूय दीया र्घ्य वलिं गृह २ स्वा नि कू नू शू स्वाहा ॥ ज दू दू दू ली क श्र व य
न म रुग रुख ४ ० ० द गंध धूय दीया र्घ्य वलिं गृह २ सानि कू नू शू स्वाहा ॥ ज दू दू दू विज य श्र

४३

प्रथममहानख्य ४०० दंगधूयदीयार्धवर्तिगृह २ सार्निकप्रस्वाहा ॥ जै ५ दं ३ मरु विज
 थप्रथममहानख्य ४०० दंगधूयदीयार्धवर्तिगृह २ सार्निकप्रस्वाहा ॥ जै ५ दं ३ मरु
 धप्रथममहानख्य ४०० दंगधूयदीयार्धवर्तिगृह २ सार्निकप्रस्वाहा ॥ जै ५ दं ३ मरु
 मगनप्रथममहानख्य ४०० दंगधूयदीयार्धवर्तिगृह २ सार्निकप्रस्वाहा ॥ ०० नि
 हरवलि ॥ ॥ ५ ५ ५ ५ ५ मधूमधुमगीगकिरुगिनीय ५ ५ ५ रुट् स्वाहा ॥ जै ५ ५ ५ कुरुलीचै
 मरुहगिचै ५ ५ ५ रुट् स्वाहा ॥ जै ५ ५ ५ मरुअलचै मरुहगिचै ५ ५ ५ रुट् स्वाहा ॥ जै ५ ५ ५
 यवकुलिमरुहगिचै ५ ५ ५ रुट् स्वाहा ॥ जै ५ ५ ५ यमिनीमरुहगिचै ५ ५ ५ रुट् स्वाहा ॥ ५ ५ ५ म
 रुयमिनीमरुहगिचै ५ ५ ५ रुट् स्वाहा ॥ जै ५ ५ ५ रुदलीमरुहगिचै ५ ५ ५ रुट् स्वाहा ॥ ५ ५ ५
 मरुहदलीमरुहगिचै ५ ५ ५ रुट् स्वाहा ॥ ५ ५ ५ गावावलीमरुहगिचै ५ ५ ५ रुट् स्वाहा ॥

३९

४४

[illegible]

[illegible]

३३

मन्त्रस्वरत्नरुनश्यवरविष्णुरेवमन्त्रयष्टयादुकी । डं दं दं विष्णुरेवमन्त्रयष्टयादुकी ।
 मयायूष्ययूयदीययूजामयायाथयनीगावर्तिगृक्षरसर्वविष्नीनागयश्चरुनरसर्व
 सिद्धिक्रययश्चरुदं दं मरुजामनाधियगयदमस्वववदाममस्वाहा ॥ नृगि
 द्वाकादवदगवलि ॥ ॥ ॥ गगामरुयायुयटायुवलिशकाड्याट्याअनूका
 मनमातसाथनाविययु शर्मा । डं नमः४धीमरुहरेववायनमः४ । डं रु४रुट् ॥
 डं श्रीयष्टीरुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥
 डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥
 डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥
 डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥ डं रु४रुट् ॥

४३

रुट् । डं गीरुट् । डं ग्ररुट् । डं कीरुट् । डं करुट् । डं धीरुट् । डं ध्ररुट् । डं दीरुट् ।
 डं द्ररुट् । डं क्षीरुट् । डं क्षरुट् । डं वीरुट् । डं वरुट् । डं क्वीरुट् । डं क्वरुट् । डं खी
 डं करुट् । डं गीरुट् । डं ग्ररुट् । डं कीरुट् । डं करुट् । डं खीरुट् । डं ध्ररुट् । डं गीरु
 ट् । डं ग्ररुट् । डं धीरुट् । डं ध्ररुट् । डं कीरुट् । डं करुट् । डं अरुट् । डं आरुट् ।
 डं इरुट् । डं णीरुट् । डं डरुट् । डं ड्ररुट् । डं मरुट् । डं मृरुट् । डं णरुट् । डं
 ण्ररुट् । डं नरुट् । डं न्ररुट् । डं तारुट् । डं तीरुट् । डं त्ररुट् । डं अरुट् । डं क
 रारुट् । डं क्षीक्षीरुट् । डं मयारुट् । डं ययारुट् । डं क्वकशरुट् । डं क्षीक्षीक्षीक्षरु
 ट् । डं क्षीक्षीक्षीक्षरुट् । डं क्वकशरुट् ४ । डं क्षीक्ष २० । रुट् २ । रुट् क्षीक्षरुट् क्षीक्ष १२० ।
 डं क्षीक्षीक्षरुट् २० । डं रुट् २० । डं रुट् रुट् २० । डं रुट् क्षीक्षरुट् २० । रुट् क्षीक्षरुट् १० । डं (य)

[illegible]

81

[illegible]

दासमयदाव। अऊत्रश्चायकमृथयादि। अयायविअयावेवमियादि। सर्वयी। भयः
यीभनि। वक्रवक्रावुखावुगि। दुर्धवक्रावु। यदागदासरुगाथ। ॥ लादासमय
दीदाव। यश्चध्वारायार्क। कीमउत्रसश्दूदूनासाकहवीप्रयान। कवर्धुर्कका
मवृथीयादि। कूर्मादिमहावलि। डंजांङ्कूर्मादिदवगस्यासकयागालकालाग्निप्रदस
नासूत्रीनागनाग्निदवडवगीमहावगमहावगीनायकनायकीअसूत्रयकअसूत्रयकीऊ
गिकाननवखधुधृथी। ठकणकिनीसत्रीगसात्रसागत्रीसर्वायर्धगायमऊनवडयददद
दगयी। भययीभययीयधुवृयासामावलि। रि४रुगायगधिसावागीधर्धधिसाविकागाद
सनादगीकमृगाउकमृगाधु। उत्रुगदियदवृयवृयिनीरु४यगवागिकसकदीयावगिरु
अत्रिद्वानिधुवृयरु४दूगीदूगकासजीवनीजीवादिकस्त्रिरु४यूगनादिसत्रीधृयादिनि

३६

वापीराजगमयनालादिहसयरुनालिकासत्रिगयस्किगा विद्यायिठिकाकाषयिगलयाकल
सादिहसुलिलयरुमिषुयुथीआयसुजावायनाकासादिदूयववउरुगऊनुहिरुखवव
रुयवउलववरुसाकादिहसुवस्वरुवनरुवनानकयादियरुलाकयालादिसिद्धिः
विद्याधनादिवलिथाधिलाकीध्रुवानंशिवययगमस्वरुयायूयवस्किगावलिगास्वः
धिगायदवगादवगीभूकायादिहकायानानामाद्वयसंयूगागलिङ्गाकृपुरुङ्गाकृगाग
दवगादवगीन्त्यमूर्तिकारुथ्युवलिर्कभल्लद्वद्वलिगुरुनक्षमस्वववदाममम
लुंगिक्रमादिवलि । । धीवकावाव । शृणुदवीयथागसुंखादिमरुवलि । ।
यऊमानशियाऊलि । निर्वीध । त्वाकमरुवलि । धूपदीय । जायधूजायादाऊमव
रुण । धीसंवर्क । शिदव । यागि । धीभवगाव । धूऊनयाकार्कमालकदनवर्करु ।

४२

शी० कारुव । ॥ यं वसुधनयिंदावज्जुनिविद्यस्मनदवीरुं । वलिसमसुंमात्रकादन
कं मूलदात्रयार्ग । यमिष्टाद्रुगि । यमुयाग । हिंरुमाल । मूलदातवलिसकालरुगि
नरुकायायकंरुयक । विवकनस्मयनाननगुयावग । निकुमिठागुर्कश । रुंसा
गाम्बुवृ० १४ । मसर्कश । ॥ मांसाद्रुगिविद्य । यं वध्मप्रादायक । विविध्वंयहूमू
तर्क । अर्ससा । अणीवोद । ॥ समयक्य । दक्षिणा । वलिविसर्कन । वलिक्य
दिगवलित्तिअदिनधव२थयसक्य । मूलदात्रशक । दगसविद्याश्रवसायी०सः
क्य । यी०सविद्याश्रवसाग्नसानस । ससानसविद्याश्रवसा । स्वर्गित्तकालस । ॥ यहू
याग्यमयागसाचकानकदवसक । अरिषक । सादीथय । ॥ काथकसश्रवसा । रुव
वशसर्कयूजायादावगाथ । लिहावयावकामात्रियाग । ॥ यहूयाग्ययागसायहूव

लिविसर्जनमयास्यंगयाव॥यायनयाश॥समस्तयक्त्यागं॥वलित्यागं॥गमात्त॥ज
 यर्षुधूनदाव॥अग्निविसर्जन॥गच्छस्सुप्रथुं॥यादि॥वलिविसर्जनयादावथवश
 थायसक्त्या॥अरिषक॥सादिथाय॥सयराश॥करंकारिषक॥तुगिसर्वात्याग
 सर्वात्रिष्टुभानिमहावलिसमायक॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 महावलित्यावसय॥सम्बनश॥अद्वानश॥कर्षुयगाकाश॥ले॥गवश॥दिदिश॥गव
 श॥यययगाकाश॥कजमका॥क॥टाका॥वगात्रिकाकत्वा॥काककायठना॥आ
 किलिय॥२॥यवसूक्तकागव॥अद्वगका॥रायस्वानय॥१॥नकास्त्रकागव॥१०॥दात्रयाक
 त्या॥४॥दूजकृत्वा॥२॥स्वखय्याग॥४॥वलित्या॥१०॥गवयानसुखय्या॥१॥रुवगयान
 ॥२०॥स्वात्तया॥८॥कुजावनगव॥४॥का॥१॥गवलित्या॥८॥अशालनेवयगव॥१॥जान

अष्टाशुखात्रकृच्छिदावर्कअष्टावयाट॥ कर्वंदभाशुग्वज॥ चन्द्रयाग१००॥ नवरा१००॥
यंत्रायवात्रयूजाश२॥ वलिविययूजाश३॥ विधिष्यंति१०॥ कृष्णप्रहृजाश१॥ स्मयदात्ता
ख॥ भसर्क२॥ कालरुगि१॥ दूगुनिकुनि२॥ श्याकजगुर्क३॥ रुंशर्क४॥ खार्क१४॥ कगु
वार्धग्वज४॥ जियर्थग्वज४॥ धात्राग्वज४॥ भसज्जुदिवलिठामरुस्यंभायकमालसमयम
रुदास्वाटलासवूनि॥ कंवलारुं४॥ कंटडारुं४॥ कंवम्वारुं४॥ कंवमासरुं४॥ कंसख
नाग्व॥ गिजलखवा॥ म्वाकवीर्क१॥ म्वाकवास१॥ म्वाकयगुमूनि॥ ध्यंजुग्वज४॥ गाल
यार्गिकाकरुं४॥ ॥ दूदूधमाग्व॥ हिधमा॥ नासाकधमा॥ यात्रमायारुकायादूचल
धमाग्व॥ वीत्रयानग्व॥ ॥ रामलवकन॥ रायमल॥ नामल॥ लयू॥ गीणि॥ जका॥ झका॥
उणि॥ वेयासागवंचकन॥ सेंगुत्रियकन॥ ॥ लंरु॥ क्य॥ वूलं॥ जिगुणि॥ गुंलंरु॥ गुंछा
य॥ गुंवूलं॥ क्य॥ मलंरु॥ ॥ कीसिला॥ सगुंला॥ भसला॥ रुसिला॥ मासखाता॥ वी

या ॥ काखला ॥ मानखला ॥ ॥ श्रीखडु ॥ कसुत्र ॥ कयूत्र ॥ वक्रवचन ॥ मत्रव ॥ धियति ॥ शुक्र
माल ॥ वाल ॥ यमकगत्र ॥ र्यध ॥ स्ववाकल ॥ ॥ धूय ॥ कसुत्रि ॥ कयूत्र ॥ गुगुत्रि ॥ अगुत्रि
वाल ॥ सदलास ॥ दूयकगत्र ॥ यमकगत्र ॥ श्रीखडु ॥ ॥ अं वत्र ॥ कक्रवत्रस ॥ आमस ॥
र्यधुत्रस ॥ नलिखल ॥ कालस ॥ रुनस ॥ म्वात्र ॥ ऊवस ॥ ॥ लंमस ॥ डाहा ॥ मूनि ॥ धि ॥
वाडरा ॥ याठ ॥ कणल ॥ मनिक ॥ रुठिक ॥ ॥ लंयत्र ॥ डाहायत्र ॥ लं ऊंलियाठ ॥ डा
हाया ॥ यथउत्रनरु ॥ ॥ र्यध ॥ यत्रा ॥ कउगुलि ॥ लय ॥ मास ॥ म्वाठ ॥ कलाठ ॥ अक
॥ मूग ॥ ॥ यूवाकजा ॥ याकेजा ॥ खिचलिजा ॥ र्यदजा ॥ हिवाजा ॥ कजा ॥ अजा ॥ धत्रिजा ॥
दीत्रजा ॥ ॥ कूकन ॥ मूठा ॥ कलाम ॥ ॥ कूमूठस्वान ॥ र्ययस्वा ॥ यगकास्वान ॥ दूया ॥ किरु
कनवीत्र ॥ जिप्रिस्वान ॥ कारा ०स्वान ॥ ॥ रुद्रवलाकयाठ ॥ रुद्रनद ॥ अदिनवमुद्र ॥

कथो

लं वरु ॥ ॥ गमत्रायन ॥ वयस्वान ॥ यत्र जा ॥ कसला ॥ द्यो कला ॥ धविद्यालयाग ॥ यत्रिर्मं ध
धीखधु ॥ मत्रव ॥ र्यं क ॥ आमलस ॥ यीगयगाका ॥ लं दक्षिणा ॥ ॥ धीखधु ॥ कूमूखान ॥ र्य
कजा ॥ र्गलला ॥ सवृत्ता ॥ यत्रयाग ॥ यायउर्मि ॥ कश्चुत्रि ॥ शुक्म्याल ॥ यत्रा ॥ र्यं दूमास
नाययगाका ॥ मूग ॥ ॥ प्रकरवचन ॥ यादुलिस्वान ॥ यावकजा ॥ र्कवला ॥ हीखावला ॥
थंयाग ॥ ॐ न्द्रुत्रिर्मि ॥ कयत्र ॥ मूग ॥ कत्रस ॥ र्गु ॥ रि ॥ द्वादयगाय ॥ याग ॥ ॥ वयस्मा ॥ म
लिस्वान ॥ कीवलिजा ॥ कसला ॥ र्यं ० उला ॥ र्गमलसमि ॥ यउर्मि ॥ सउलास ॥ र्यं ध ॥ म्वा
र ॥ कलस ॥ र्दयगाय ॥ यादुट ॥ ॥ दूतर्ककूम ॥ कायलकस्वान ॥ मूगजा ॥ द.सला ॥
खैरयाग ॥ सलायमि ॥ शील ॥ कूट ॥ मास ॥ ककवत्रस ॥ द्वादयगाय ॥ रुटिका ॥ ॥ ग
त्रायन ॥ नूयस्वान ॥ अजा ॥ वृसाता ॥ द्धिपूत्रा ॥ कस्त्रियाग ॥ लयूवामि ॥ वालधूय ॥ ॐ

